Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 06 September 2024

Dainik Jagran
Page - 04, 07

शिक्षक दिवस पर पूर्व राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को किया याद

शैक्षणिक संस्थानों में धूमधाम से हुआ आयोजन, शिक्षकों व मेधावियों को किया गया सम्मानित, हर तरफ रहा उल्लास का माहौल

शिक्षक दिवस पर गोरखपुर विश्वविद्यालय के संवाद भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन व अन्य • जागरण

सरस्वती शिशु मंदिर पक्कीबाग में सम्मानित हुए प्रतिभागियों के साथ मुख्य अतिथि प्रांत प्रचारक रमेश, डा. रामनाथ गुप्त, राम सिंह, अजय कुमार व अन्य • जागरण

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने वाले पूर्व राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन हर साल पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। सभी शैक्षणिक संस्थानों में गुरुवार को शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षकों व मेधावियों को सम्मानित किया गया।

महात्मा गांधी इंटर कालेज के सभागार में नेशनल एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अध्यक्ष व सिद्धार्थ विवि के पूर्व कुलपति प्रोफेसर सुरेंद्र दुबे ने कहा कि गुरु अंधकार में दीप की तरह होते हैं। खुद जलकर दूसरों को प्रकाशित करते हैं। प्रबंधक मंकेश्वर नाथ पांडेय ने कहा कि मानव ने विकास व अविष्कार गुरु के माध्यम से किया है। अवकाश प्राप्त शिक्षक गोपाल सिंह, शशि बाला श्रीवास्तव, वीना मणि त्रिपाठी व मंजू सिंह को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्वी नारायण पांडेय, डा. अनिल सिंह, अनुपमा शर्मा समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

पादरी बाजार क्षेत्र के जंगल धूषण स्थित एकेडेमिक ग्लोबल स्कूल में शिक्षक दिवस मनाया गया। विद्यालय के चेयरमैन ई. संजीव कुमार, निदेशक राजेश कुमार, सहायक निदेशक संदीप कुमार, प्रधानाचार्य वीसी चाको ने डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित किया।

सनराइज पावर सोशल एंड एजुकेशनल ट्रस्ट के तत्वाधान में शिक्षक दिवस का कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला थाना की उप निरीक्षक सुनीता रहीं। वहां हेड कांस्टेबल राज चौधरी, योगाचार्य आमिर भी मौजूद रहे। संस्था के अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा व तनु शर्मा ने कहा यह विशेष दिवस है।

रत्न मेमोरियल पब्लिक स्कूल (रैंपस) में द्वितीय राष्ट्रपति और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद किया गया। विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय प्रेमचन्द्र श्रीवास्तव को भी प्रबंधक विवेक कुमार श्रीवास्तव ने याद किया। प्रशासिका विनीता श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य राजकुमार श्रीवास्तव ने शिक्षक दिवस की महत्ता को रेखांकित किया।

सरस्वती शिशु मंदिर पक्की बाग में शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरएसएस गोरक्ष प्रांत के प्रचारक रमेश ने कहा कि देश व समाज के लिए जीना चाहिए। डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन देश के राष्ट्रपति ही नहीं एक योग्य शिक्षक भी थे। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने अभूतपूर्व परिवर्तन किया। साथ ही भारतीय संस्कृति, सभ्यता, संस्कार को देश-विदेश तक पहुंचाने का कार्य किया। वे काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी, दिल्ली विश्वविद्यालय, आंध्र विश्वविद्यालय के कुलपति रहे। इस अवसर पर सत्र 2023-24 में बोर्ड परीक्षा में अच्छा अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को टैबलेट दिया गया। प्रधानाचार्य डा. राजेश सिंह, आचार्य एसएन कुशवाहा, रुक्मिणी उपाध्याय, निर्मल यादव, विभाग प्रचारक अजय नारायण, भाग प्रचारक मनीष, प्रांतीय मंत्री डा. रामनाथ गुप्त, प्रदेश निरीक्षक राम सिंह, प्रबंधक संजय जायसवाल आदि मौजूद रहे।

आर्मी पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। विद्यालय की प्रार्थना सभा में डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद किया गया। प्रधानाचार्य डा. विशाल त्रिपाठी ने माता-पिता को प्रथम शिक्षक बताते हुए सभी विद्यार्थियों को मन, वचन एवं कर्म से उनके प्रति आभार व्यक्त करने की बात कही। शिक्षक दिवस पर गुरुजनों के लिए वास्तविक उपहार है। विद्यालय के आडियो-वीडियो कक्ष में शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय के स्टाफ आफिसर कर्नल साहेब अनवर, प्रधानाचार्य डा. विशाल त्रिपाठी एवं उप प्रधानाचार्य चन्द्र प्रकाश पांडेय ने डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन ब्रिगेडियर वी. संतोष की तरफ से सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामना दी गई। महाराणा प्रताप इंटर कालेज के बलरामपुर सभागार में प्रधानाचार्य डा. अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में मैं और मेरी संस्था विषयक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। विषय प्रवर्तन करते हुए संगोष्ठी के संयोजक डा. फूलचन्द प्रसाद गुप्त ने कहा कि किसी भी संस्था का विकास वहां सेवारत प्रत्येक व्यक्ति के श्रेष्ठ योगदान पर निर्भर होता है। रमाशंकर राम, विश्वम्भर सिंह, राकेश मिश्र, राधेश्याम प्रजापति ने विचार रखे।

शिक्षक दिवस पर स्टेपिंग स्टोन इंटर कालेज के सभी शाखाओं पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अपनी प्रतिभाओं से शिक्षकों का मनोरंजन करते हुए उनके साथ जीवन के अनमोल पल बिताए। संस्था के अभिभावक अपनीत गुप्ता एवं राजीव गुप्ता, निदेशक जय गुप्ता व राजवंश गु, प्याप्रधानाचार्या कहकशां सिद्दीकी (ग्रीनसिटी) व प्रीति सिंह (मानीराम) ने अपनी-अपनी शाखाओं पर शिक्षकों को सम्मानित किया।

भगवती प्रसाद कन्या महाविद्यालय प्रबंध समिति की ओर से शिक्षक दिवस मनाया गया। प्रबंधक अष्टभुजी दास अग्रवाल, रीता अग्रवाल, सहायक प्रबंधक डा. शिवशरण दास व शिक्षिकाएं मौजूद रहीं। सरस्वती बालिका विद्यालय सूर्यकुंड की प्रधानाचार्य रश्मि श्रीवास्तव की अगुवाई में शिक्षक दिवस मनाया गया। द पिलर्स स्कूल में प्रथम उपराष्ट्रपति, द्वितीय राष्ट्रपति, महान दार्शनिक व शिक्षाविद डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती मनाई गई। विद्यालय में विविध कार्यक्रम आयोजित हुए। संस्था प्रमुख आरपी शाही ने शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। संस्था की मेंटोर डा. कीर्ति शाही ने कहा कि गुरु-शिष्य परंपरा भारतीय संस्कृति का अहम अंग है। प्रधानाचार्य ऊषा बरतरिया ने शिक्षा के उन्नयन में शिक्षकों की भूमिका बताई। जीएम एकेडमी खोराबार में चेयरमैन डा.एसपी मिश्रा और सरदारनगर स्थित वर्टेक्स ग्लोबल स्कूल में प्रिंसिपल डा. आरके मिश्रा के नेतृत्व में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया।

शिक्षक दिवस पर कुलपति ने बढ़ाया शिक्षकों का हौसला

शिक्षक दिवस पर गोरखपुर विश्वविद्यालय के संवाद भवन में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने शिक्षकों को बेहतर शिक्षण कार्य करते रहने के लिए हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने बतौर शिक्षक कुलसचिव का दायित्व निभाने में आने वाली कठिनाइयों की चर्चा की। कार्यक्रम को अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दुबे, चीफ वार्डन एसके सिंह ने भी संबोधित किया।

2013 से पहले की डिग्री के लिए देनी होगी अधिक फीस

- गोवि में हुई वित्त समिति की बैठक, लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय
- संविदा शिक्षकों को मानदेय के तौर हर महीने मिलेंगे 40 हजार रुपये

जासं, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में पुरानी डिग्री के लिए अधिक फीस देनी होगी। वर्ष 2013 और वर्ष 2000 से पहले की डिग्री के लिए विश्वविद्यालय ने अलग-अलग फीस लेने की व्यवस्था की है। पहले डिग्री लेने की एक ही फीस थी। इसके अलावा वित्त समिति ने निर्णय लिया कि अब ट्रांसस्क्रिप्ट या किसी डिग्री की प्रतिलिपि प्राप्त करने के लिए भी अलग से फीस देनी होगी। पहले इसके लिए फीस की कोई व्यवस्था नहीं थी। इसे लेकर विश्वविद्यालय के निर्णय पर वित्त समिति ने गुरुवार को मुहर लगा दी।

विश्वविद्यालय का मानना है कि पुरानी डिग्री को बनाने में कर्मचारियों को अधिक परिश्रम करना पड़ता है। कई बार एक डिग्री का दस्तावेज निकालने में ही काफी समय लग जाता है। ऐसे में पुरानी डिग्री निकालने में अधिक फीस का निर्धारण जरूरी था। बैठक में उन स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रमों के संविदा शिक्षकों का मानदेय भी निर्धारित हुआ, जिनमें अबतक गेस्ट फैकेल्टी से अध्यापन प्रक्रिया संपन्न कराई जाती थी। इन पाठ्यक्रमों के संविदा शिक्षकों को 40 हजार रुपये प्रति माह दिए जाने पर वित्त समिति ने सहमति जताई है। बैठक में विशेष परिस्थिति में स्पेशल बैक पेपर की व्यवस्था पर चर्चा हुई और इस परीक्षा के लिए फीस लेने का निर्णय भी लिया गया। वर्तमान में विवि में चल रहे कार्यों में खर्च की स्थिति पर बैठक में विचार हुआ। वित्त समिति में लिए गए निर्णय को अब कार्यपरिषद में रखा जाएगा। कार्यपरिषद की स्वीकृति के बाद लागू कर दिया जाएगा।

फैकेल्टी लीडरशिप समिट का हुआ शुभारंभ

जासं, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में गुरुवार से फैकेल्टी लीडरशिप समिट का शुभारंभ हुआ। अमेरिकन केमिकल सोसाइटी के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय समिट का उद्घाटन कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने किया। युवा शोधकर्ताओं को विचारशील नेता बनने और एक स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने पर मंथन के लिए आयोजित इस आयोजन में नेपाल के विशेषज्ञों ने भी प्रतिभाग किया।

Amar Ujala
Page - 10

विश्वविद्यालय के शिक्षक स्तंभ और छात्र होते हैं केंद्र : प्रो. पूनम

गोरखपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर गोरखपुर विश्वविद्यालय के संवाद भवन में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसकी अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि विश्वविद्यालय के केंद्र के छात्र होते है और शिक्षक स्तंभ की तरह होते है।

उन्होंने सभी शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कहा कि मेरे एक वर्ष के कार्यकाल में विगत बहुत से लोग जुड़े और उन्होंने अकादमिक उत्कृष्टता की दिशा में विश्वविद्यालय की ओर से उठाए गए कदमों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

उन्होंने कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी का आभार व्यक्त किया व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे पता है कि एक शिक्षक के लिए कुलसचिव का भी दायित्व का निर्वहन करना कितना कठिन है। डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दुबे, सभी डीन, अध्यक्ष, प्रो. हिमांशु पांडेय एवं अन्य शिक्षकों की सराहना की। कुलपति ने कहा कि पीएम उषा के तहत 100 करोड़ की ग्रांट प्राप्त कर सके। जिसका इस्तेमाल दीक्षा भवन, संवाद भवन के रेनोवेशन और 1.8 किमी डिवाइडर लाइट और बेंच सहित सड़क के निर्माण में होगा। इंडियन बैंक, विश्वविद्यालय शाखा के सौजन्य से आयोजित कार्यक्रम में कुलपति ने शाखा प्रबंधक अजय प्रकाश का आभार प्रकट किया। संवाद

Hindustan
Page - 03

फार्मेसी, एमएस और बीसीए के लिए 8 तक करें आवेदन

गोरखपुर। डीडीयू में बीफार्म, डीफार्म, एमएस एआई, बीसीए (मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस) तथा बीसीए आईओटी में प्रवेश को आवेदन की तिथि 8 सितंबर तक कर दी गई है। एडमिशन सेल के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि प्रवेश के लिए पहले 5 सितंबर आवेदन की अंतिम तिथि थी।

Swatantra Chetna Page - 04

रुद्रपुर निवासी प्रो .राजवंत बने डीडीयू कला संकाय के अध्यक्ष

चेतना प्रतिनिधि रूद्रपुर, देवरिया। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्राचीन इतिहास के वरिष्ठ आचार्य डॉ.राजवंत राव कला संकाय के अध्यक्ष बनाए गए हैं। उन्होंने बुधवार को अपना कार्यभार ग्रहण कर किया।

प्रो.कीर्ति पाण्डेय के उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष बनने के कारण रिक्त हो रहे इस पद पर वरिष्ठता के आधार पर उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। जिले के रुद्रपुर तहसील अंतर्गत ग्राम नारायणपुर निवासी प्रो. राजवंत राव वर्ष 1989 में लेक्चरर के रूप में डीडीयू में नियुक्त हुए थे। प्रो. राय इससे पहले भी विश्व विद्यालय में कई अहम प्रशासनिक पदों पर रहे हैं। वे वर्तमान में अयोध्या अध्ययन केंद्र के निदेशक भी हैं। इससे पहले वे प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष के साथ ही मुख्य नियंता जैसे पदों पर कार्य कर चुके हैं। यूपीएससी के सदस्य के रूप में भी उन्होंने अपनी सेवाएं दी हैं। उनके अध्यक्ष बनने पर डॉ. शैलेन्द्र राव,डॉ .शैलेन्द्र मिश्र, पूर्व ब्लाक प्रमुख जटाशंकर द्विवेदी, आदि ने बधाई दी है।

Amar Ujala Select
Page - 04

डीडीयू में फैकल्टी लीडरशिप समिट का आयोजन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ, अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (एसीएस) के सहयोग से जैव प्रौद्योगिकी विभाग में बृहस्पतिवार को दो दिवसीय संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। इसमें युवा शोधकर्ताओं (संकाय सदस्यों) को भारत में विचारशील नेता बनने और एक स्थायी एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने में मदद की जाएगी।

Super fast Times

शिक्षक शैक्षणिक रूप से समृद्ध हैं और विश्वविद्यालय के प्रति समर्पित

विद्यार्थी विवि के केन्द्र तो शिक्षक उसके आधार स्तम्भ

सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर संवाद भवन में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो० पूनम टंडन ने की इस अवसर पर कुलपति ने सभी शिक्षकगणों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कुलपति ने कहा की विश्वविद्यालय के केंद्र के छात्र होते है और शिक्षक स्तंभ की तरह होते है। इस अवसर पर कुलपति ने अपने एक साल के कार्यकाल में सभी शिक्षकगणों के योगदान एवं भागीदारी की खूब सराहना करते हुए कहा की मेरे पास शब्द कम है। कुलपति ने कहा की मेरे एक वर्ष के कार्यकाल में विगत बहुत से लोग जुड़े और उन्होंने अकादमिक उत्कृष्टता की दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा उठाए गए कदमों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। उन्होंने कुलसचिव प्रो शांतनु रस्तोगी का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे पता है की एक शिक्षक के लिए कुलसचिव का भी दायित्व का निर्वहन करना कितना कठिन है। वर्तमान शैक्षिक सत्र में प्रवेश सुनिश्चित कराने के लिए एडमिशन सेल के निदेशक प्रोफेसर हर्ष सिन्हा और उनकी टीम की भी सराहना की। सभी की मेहनत से ही हम पीएम उषा के तहत 100 करोड़ की ग्रांट प्राप्त कर सके जिसका इस्तेमाल दीक्षा भवन, संवाद भवन के रेनोवेशन तथा 1.8 किमी डिवाइडर लाइट और बेंच सहित सड़क का निर्माण होगा। रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो० उमेश त्रिपाठी व अन्य शिक्षको के सहयोग से इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी में बीफार्मा व डी फार्मा पाठ्यक्रम इसी शैक्षिक सत्र से शुरू होने जा रहा है। कुलपति ने कहा कि संसाधन सीमित है इसलिए हमें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम उठाना पड़ेगा।

- सभी विभागों ने की वर्ष भर की शैक्षणिक गतिविधियां

कुलपति ने कहा कि पूरे साल भर सभी विभागों में विभिन्न छात्र केंद्रित गतिविधियों को आयोजित किया। इसके साथ ही एथलेटिक एसोसिएशन ने भी एनुअल एथलेटिक मीट आयोजित की। कुलपति ने सभी विभागों समेत विश्वविद्यालय परिवार के कार्यशैली की भी सराहना की। कुलपति ने कहा कि 2018 के बाद चयनित शिक्षक गण युवा है और वरिष्ठ शिक्षकों को निश्चित रूप से इनका उपयोग करना चाहिए।

अंग्रेजी विभाग में शिक्षक दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन

सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। अंग्रेजी विभाग में एम ए तृतीय और प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो० अजय कुमार शुक्ल ने अपने आशीर्वचन देकर विद्यार्थियों को प्रेरित किया और आयोजन की सराहना की। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रों के जीवन मे शिक्षक का गहरा प्रभाव होता है। शिक्षक विद्यार्थियों के पहले रोल मॉडल होते हैं इसलिए शिक्षक का स्थान व दायित्व बड़ा हो जाता है और एक सच्चा शिक्षक हमेशा अपने विद्याथीओं को उचित मार्गदर्शन देकर अपने से बड़ा बनाने का प्रयास करता रहता है। शिक्षक सम्मान कार्यक्रम में विभाग के विद्यार्थियों ने विभाग के सभी शिक्षकों को सम्मानस्वरूप एक सुंदर फोटो फ्रेम भेंट किया गया और इस खुशी के मौके पर केक भी काटा गया। कार्यक्रम की शुरूआत अंजलि सिंह के स्वागत भाषण से हुई, जबकि आयुष्मान पांडेय और शिवाजी ने अपने प्रभावशाली वक्तव्यों से सभी को मंत्रमुग्ध किया। धन्यवाद ज्ञापन सुधांश राय द्वारा किया गया। प्रकृति पटेल और अनुप्रिया ने अपने मधुर गीतों से वातावरण को संगीतमय बना दिया। कार्यक्रम का संचालन कुशलतापूर्वक अफ़्फान रशीद और श्वेता उपाध्याय ने किया। इस कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में कुशाग्र,आनंद,जाह्नवी,आकांक्षा, सुष्मिता आदि का विशेष योगदान रहा।

फामेर्सी , एमएस और बीसीए कोर्सेज के लिए आवेदन अब 8 तक

सुपर फास्ट टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर में इस वर्ष से आरंभ हुए बी फार्मा,डी फार्मा ,एम एस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), बीसीए(मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस) तथा बीसीए (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) के लिए प्रवेश आवेदन की अंतिम तिथि 8 सितंबर तक के लिए बढ़ा दी गई है। इन कोर्सेज के लिए प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि गुरुवार थी।